केस स्टडी

case-study

Hindi 2nd lang

अभ्यास कार्य

गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

8. श्रमहीन शरीर की दशा जंग लगी हुई चाबी की तरह अथवा अन्य किसी उपयोगी वस्तु की तरह निष्क्रिय हो जाती है। शारीरिक श्रम वस्तुतः जीवन का आधार है, जीवंतता की पहचान है। योगाभ्यास में तो पहली शिक्षा होती है आसन आदि के रूप में शरीर को श्रमशीलता का अभ्यस्त बनाना।

महात्मा गाँधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वह प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है—बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुतः चोर है। महात्मा गाँधी का समस्त जीवन दर्शन श्रम सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों की रोकथाम हमारे वश की बात रही है। दक्षिण कोरियावासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है, जिनसे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है।

श्रम की अवज्ञा के परिणाम का सबसे ज्वलन्त उदाहरण है, हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी। हमारा शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रमपरक कार्य करने से परहेज करता है। वह यह नहीं सोचता है कि शारीरिक श्रम परिणामतः कितना सुखदायी होता है। पसीने से सिंचित वृक्ष में लगने वाला फल कितना मधुर होता है। 'दिन अस्त और मजदूर मस्त' इसका भेद जानने वाले महात्मा ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को यह परामर्श दिया था कि तुम केवल पसीने की कमाई खाओगे। पसीना टपकाने के बाद मन को संतोष और तन को सुख मिलता है, भूख भी लगती है और चैन की नींद भी आती है।

1. **श्रमहीन शरीर की दशा किसके समान होती है?**
   (क) जंग लगी चाबी की तरह (ख) मोटे हाथी की तरह
   (ग) उपयोगी वस्तु की तरह (घ) जीवन की पहचान की तरह
2. **'योगाभ्यास' शब्द किस प्रकार बना है?**
   (क) योग + भ्यास (ख) योग + अभ्यास
   (ग) यो + भ्यास (घ) योगा + भ्यास
3. **महात्मा गाँधी किस बात पर बल देते थे?**
   (क) सफाई करने पर (ख) चरखा कातने पर
   (ग) अपना काम अपने हाथ से करने पर (घ) खादी प्रचार पर
4. **महात्मा की नीतियों की उपेक्षा का परिणाम है–**
   (क) गरीबी कम नहीं होती (ख) बेरोजगारी पर नियंत्रण नहीं हो रहा
   (ग) अपराधों की रोकथाम नहीं हो रही (घ) उपर्युक्त सभी बातें
5. **महात्मा ईसा ने अपने अनुयायियों को क्या परामर्श दिया था?**
   (क) सुख का भोग करो (ख) कष्टपूर्ण जीवन बिताओ
   (ग) केवल पसीने की कमाई खाओ (घ) चैन की नींद सोओ

उत्तर : 1. (क) 2. (ख) 3. (ग) 4. (घ) 5. (ग)

(4) श्रमहीन शरीर की दशा कैसी होती है?
क) जंग लगी चाबी की तरह (✓)
ख) मोटे हाथी की तरह
ग) उपयोगी वस्तु की तरह
घ) जीवन की पहचान की तरह

(5) योगाभ्यास किन दो शब्दों के मिलने से बनता है?
क) योग + भास (ख) योग + अभ्यास (✓)
(ग) योग + भ्यास (घ) योगा + भास

(6) आपको 'श्रम करना' कैसा लगता है?
(क) बहुत अच्छा (ख) गर्व महसूस होता है
(ग) श्रम मनुष्य को आत्मनिर्भरता प्रदान करता है।
(घ) ऊपर के सभी विकल्प सही हैं। (✓)

(7) आपको श्रमहीन लोग कैसे लगते हैं
(क) समाज के बोझ के समान (ख) कायर और डरपोक लगते हैं (ग) उद्देश्यहीन और प्रेरणा के बंद स्रोत लगते हैं (घ) ऊपर के सभी विकल्प सही हैं (✓)

(8) श्रम के क्षेत्रों में क्या आप गाँधीजी के दृष्टिकोण को समर्थन करते हैं?
(क) हाँ, पूर्ण समर्थन करते हैं (✓) (ख) आंशिक समर्थन करते हैं
(ग) असमर्थन करते हैं (घ) इनमें से कोई नहीं।